जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 174 प्रभात जालोर, शुक्रवार 30 सितम्बर, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# सचिन पायलट को ग्रीन सिग्नल मिला

*जैसा कि रेणु जी ने कहा हैं जो शब्दों में वर्णित नहीं हो सकता वह फोटो में अनायास ही जाहिर हो जाता है। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बेहद प्रफुल्लित नज़र आए सचिन पायलट।*

## सोनिया गांधी से एक घंटे की मीटिंग, जिसमें प्रियंका गांधी भी शरीक हुईं, के बाद यह निर्णय लिया गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। और अन्ततोगत्वा सचिन पायलट ! इस युवा नेता को अगले विधान सभा चुनाव, जो एक साल बाद होने हैं, में पार्टी का नेतृत्व करने की हरी झंडी मिल गई हैं। वे अशोक गहलोत की जगह लेंगे। अगर गहलोत ने इस्तीफा नही दिया तो उन्हे हटा दिया जाएगा।

देर शाम सचिन पायलट की सोनिया गांधी से एक घंटे मुलाकात हुई उसके बाद यह फायनल हो गया था। इस जनपथ पर हुई इस मुलाकात के दौरान प्रियंका भी मौजूद थी।

मुलाकात के बाद सचिन पायलट ने मीडिया से कहा कि उनकी कोशिश होगी कि सभी को साथ लेकर चले और अगले चुनाव के पार्टी एक जुट होकर मैदान में उतरे।

उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराकर कांग्रेस को जिताना हैं।

- **प्रफुल्लित सचिन ने बैठक के बाद 10, जनपथ से बाहर निकलते हुए कहा, वे सबको साथ लेकर चलेंगे तथा उनका पूरा प्रयास होगा कि पार्टी अगले वर्ष होने वाले चुनाव में ''युनाइटेड फ्रंट'' पेश करे, जिससे कांग्रेस सरकार ''रिपीट'' हो।**
- **पर गहलोत अभी इस्तीफा देने के मूड में नहीं। उन्हें शायद अहसास नहीं हुआ है कि, उनका युग बीत गया है तथा एक के बाद एक विधायक सचिन का दरवाजा खटखटा रहे हैं और दोहरा रहे हैं कि, उन्हें गुमराह किया गया व गलत जानकारियां दी गयी थीं।**

गहलोत युग खत्म हो रहा है क्योंकि अधिक से अधिक विधायक सचिन पायलट से संपर्क साध रहे हैं और बता रहे हैं कि उन्हे बहकाया गया था गलत जानकारी दी गई थी।

अशोक गहलोत अभी भी इस्तीफा देने और अपने युवा प्रतिद्वंदीको को मुख्यमंत्री का पद देने के मूड में नहीं लगते है।

वे पूरी कोशिश कर रहे है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहे पर उन्हे यह अहसास भी नही है कि उनका ना केवल पूरा बेड़ा डूब गया बल्कि पुल भी टुट गए हैं।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद प्रफुल्लित सचिन पायलट की तस्वीर, जो यहां प्रदर्शित है, अपने आप में बहुत कुछ कहती है, जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है।

## एडवाइज़री

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान में अपनी पार्टी के नेताओं को सलाह दी है कि वे पार्टी के आंतरिक मसलों के संदर्भ में और अन्य नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से दूर रहें।

- **अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने एडवाइज़री जारी कर कहा कि, अगर नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी की गई तो कार्यवाही होगी।**

पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक एडवाइज़री जारी कर कहा है कि इस परामर्श का यदि किसी भी तरह से उल्लंघन किया गया तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संविधान के प्रावधानों के अन्तर्गत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

(K.C. Venugopal)

# राहुल की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता का खामियाजा शिव कुमार को झेलना पड़ रहा है

## शुक्रवार को यात्रा कर्नाटक में प्रवेश कर रही है, उधर राज्य के पी.सी.सी. अध्यक्ष शिव कुमार की सम्पत्ति की लिस्टें तैयार कर, कागजात इकट्ठे किये हैं सी.बी.आई. ने

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। राहुल गांधी के नेतृत्व में जारी ''भारत जोड़ो यात्रा'' के कर्नाटक-प्रवेश के साथ ही, दक्षिण भारत में भाजपा बनाम कांग्रेस लड़ाई बढ़ती जा रही है। यात्रा के दौरान, यह पहला भाजपा-शासित राज्य है, जहाँ से राहुल अब तक की इस सबसे लम्बी-3500 किमी की पद यात्रा के साथ गुजरेंगे। राहुल गांधी एक बार में ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक की, अब तक की सबसे लम्बी, पद यात्रा का नेतृत्व करने वाले पहले नेता है।

चामराजनगर कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के प्रवेश की पूर्व संध्या पर, केन्द्रीय जाँच एजेंसी, सी.बी.आई. उन सम्पत्तियों की छान-बीन में जुट गई है, जो के.पी.सी.सी.अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार की बताई जाती हैं।

यहाँ यह बताना सभी चीन होगा कि दस दिन पहले ही प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भ्रष्टाचार के केसों के सिलसिले में शिवकुमार से लम्बी पूछताछ की थी। जमीनी स्थिति की जानकारी के अनुसार,

- **राहुल गांधी की यात्रा को दक्षिण भारत में अच्छा ''रैस्पाँस'' मिलने की तो शुरू से आशा थी, पर अब यात्रा का संघर्षमय अध्याय शुरू हुआ है, जब यात्रा कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व यू.पी. के कुछ इलाकों से गुजरेगी।**
- **भाजपा शासित प्रदेशों में संघर्ष की स्थिति बनेगी, यात्रा में भाग ले रही जनता व प्रशासन में। इसका अहसास कर्नाटक में राहुल के पोस्टर, बैनर फाड़ने व राहुल गांधी विरोधी नारों के हल्ले से हो गया था।**

चामराजनगर नगर में कुछ समाजकंटकों ने राहुल गांधीय के पोस्टर फाड़ दिये। ये घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि जब यह यात्रा भाजपा-शासित राज्यों से गुजरेगी, यात्रा का पाला ऐसी उपद्रवी स्थितियों से पड़ता रहेगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने कहा कि ''पोस्टर फाड़ना तथा ''राहुल वापस जाओ'' अभियान की आजमाइश न तो ''40 प्रतिशत सरकार'' के कुप्रशासन को छिपा सकेंगे तथा न हमें डरा पायेंगे। ये लोग जो चाहें, करें लेकिन भारत जोड़ो यात्रा सफल होकर रहेगी।''

अब तक, राहुल गांधी की पदयात्रा को मिलने वाली सकारात्मक प्रतिक्रिया, कांग्रेस की अपेक्षाओं से काफी अधिक है तथा उसे उस समय आम जनता का ढ़ेर सारा स्वप्रेरित तथा सतत समर्थन एवं सहयोग मिलता आ रहा है, जब मुस्कराते हुये राहुल गांधी जन-सैलाब के बीच से गुजरते हैं तथा समय समय पर उनके साथ वार्तालाप भी करते चलते हैं। दक्षिण भारत, जहाँ कर्नाटक के अलावा, कहीं भी भाजपा अस्तित्व में नहीं हैं, में इस प्रकार की प्रतिक्रिया कभी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## सी.एल.पी. की एक और बैठक?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। कांग्रेस विधायकों द्वारा गत रविवार को आयोजित मीटिंग का बहिष्कार कर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने से रोकने के लिए सामूहिक रूप से त्यागपत्र देने की धमकी से उपजे विवाद पर पर्दा डालने और कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी की पावर सुनिश्चित करने को लेकर पार्टी जयपुर में कांग्रेस

- **सूत्रों के हवाले से पता चला है कि, राजस्थान में कांग्रेस पर सोनिया गांधी की सत्ता साबित करने के लिए पार्टी कांग्रेस विधायक दल की एक और बैठक बुला सकती है, जिसमें एक लाइन का प्रस्ताव पारित करके सोनिया गांधी को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया जाएगा।**

लेजिस्लेचर पार्टी (सी.एल.पी.) एक अन्य मीटिंग आयोजित करवा सकती है।

इस मीटिंग के लिए फिर से पर्यवेक्षक भेजे जाएंगे और विधायकों से एक लाइन का प्रस्ताव लिया जाएगा कि अगले मुख्यमंत्री के बारे में निर्णय लेने के लिए सोनिया गांधी को अधिकृत किया जाता है। गहलोत ने इस प्रकार की

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'ऊंट के ऊपर अब पहाड़ ही गिर गया है'

## सोनिया गांधी से सार्वजनिक माफी मांगी गहलोत ने तथा कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव न लड़ने की घोषणा की

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। ऊंट के ऊपर अब पहाड़ गिर गया है।

अशोक गहलोत ने जयपुर में हुए तमाशे के लिए आज सोनिया गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और जयपुर में हुए घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर घोषणा की कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

एक गया, एक जाने की तैयारी में: कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि सोनिया गांधी अगले दो दिन में यह निर्णय लेंगी कि राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। उम्मीद है कि अध्यक्ष पद चुनाव का नामांकन पत्र भरने की कल की अंतिम तिथि के बाद, परिदृश्य जयपुर शिफ्ट हो जाएगा, जहां सी.एल.पी. की मीटिंग आयोजित होने जा रही है। इसमें पार्टी के केन्द्रीय पर्यवेक्षक विधायकों से बात करेंगे और बैठक में एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया जाएगा कि अगले मुख्यमंत्री के चयन का काम सोनिया गांधी पर छोड़ा जाता है।

अशोक गहलोत के गत देर रात्रि दिल्ली आने के बाद वास्तव में आज सुबह क्या हुआ। सोनिया गांधी से मिलने का उनका कोई अपॉइन्टमैंट नहीं था। अशोक गहलोत के साथ अच्छे संबंध रखने वाले मुकुल वासनिक को सोनिया गांधी द्वारा गहलोत के पास भेजा गया। संदेश एकदम स्पष्ट था: मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दो और अगले सी.एल.पी. नेता के रूप में सचिन पायलट का नाम प्रस्तावित करो।

सूत्रों ने बताया कि गहलोत ने इससे इंकार किया, लेकिन जो भी कुछ हुआ, उसे स्पष्ट करने के लिए सोनिया गांधी से मुलाकात करने की इच्छा प्रकट की। वह सोनिया को कुछ कहना चाहते थे, और साथ ही अपनी माफी को उन्होंने लिखित में उन्हें सौंपा।

सूत्रों ने बताया कि जब सोनिया गांधी ने गहलोत से मिलने से इंकार कर दिया तब वह ए.के. एंटनी ही थे, जिन्होंने बीच में हस्तक्षेप किया और सोनिया से कहा कि वे कम से कम उनकी बात तो सुने।

गहलोत बोले, सोनिया ने सुना, लेकिन बेहद व्यथित एवं आहत सोनिया गांधी ने गहलोत को कोई आश्वासन नहीं दिया।

गहलोत से कहा गया कि वह 10 जनपथ के बाहर प्रतीक्षा कर रहे मीडिया को बताएं कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- **वेणुगोपाल ने कहा, दो दिन में सोनिया गांधी निर्णय लेंगी, कौन बनेगा राजस्थान का मु.मंत्री।**
- **गुरूवार की सुबह तक गहलोत का कोई ''अपॉइन्टमैंट'' तय नहीं हुआ था सोनिया गांधी से। मुकुल वासनिक, जिनके गहलोत से अच्छे संबंध हैं, को गहलोत से मिलने भेजा गया तथा वासनिक ने राय दी कि, कोई और विकल्प नहीं है उनके सामने, अपना इस्तीफा दें मु.मंत्री पद से तथा पायलट का नाम स्वयं प्रस्तावित करें नये मु.मंत्री के रूप में।**
- **गहलोत ने वासनिक की राय ठुकरा दी, पर सोनिया गांधी से मिलने की इच्छा जाहिर की।**
- **सोनिया गांधी ने मिलने से इंकार कर दिया, पर ए.के. एंटनी के जोर देने पर मिलने के लिये सहमति दी।**
- **सोनिया गांधी से किसी तरह का भी आश्वासन न मिलने पर, प्रेस से बात करके गहलोत जोधपुर हाऊस लौटे और शांति धारीवाल व महेश जोशी को दिल्ली बुलाया। पर, रास्ते मे महेश जोशी को संदेश मिला कि, वे मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दें। अतः जोशी वापस आधे रास्ते से जयपुर लौटे।**
- **गहलोत व हाई कमान के बीच खाई इतनी बड़ी हो गयी है कि, हाई कमान ''रिस्क'' नहीं उठाया चाहता कि, मुख्य सचेतक समय से विधायक दल की बैठक आहूत करेंगे या नहीं, अतःउनसे त्याग पत्र लिया गया। वैसे भी विधायकों को गुमराह करने के आरोप में महेश जोशी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की तलवार लटक रही है।**

## नाबालिग से गैंगरेप

किशनगढ़ बास, 29 सितम्बर (निसं)। क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गुरूवार को परिजनों के साथ पुलिस थाने पहुंचकर 8 लोगों के विरुद्ध

- **नाबालिग ने 8 लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि, इन लोगों ने अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।**

रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस के अनुसार एक नाबालिग ने रिपोर्ट दी है जिसमें बताया कि 31 दिसंबर 2021 को फोन आया था जिसमें बताया कि, ''तेरी हमारे पास फोटो है अगर नहीं आई तो तेरा फोटो हम वायरल कर देंगे जिसके डर के कारण मैं वहां गई तो वहां 8 लड़के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# विधायक दल की समानान्तर बैठक बुलाने की गलती का एहसास तो तभी हो गया था, जब माकन गहलोत से मिले बिना ही रवाना हो गए थे जयपुर से

## इसके अलावा, गहलोत खेमे के नेताओं का माकन पर उंगली उठाना भी आलाकमान की नाराजगी बढ़ाने वाला कदम साबित हुआ

जयपुर, 29 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद में एक खेमे के नेता लगातार प्रभारी अजय माकन और सचिन पायलट खेमे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। इस बयान बाजी को देखते हुए कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी वेणुगोपाल ने एडवाइजरी जारी करते हुए सभी नेताओं को चेतावनी दी है कि पार्टी के आंतरिक मामलों को लेकर किसी ने भी बयानबाजी की या किसी नेता विशेष को लेकर बयानबाजी की, तो अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

दूसरी ओर बदले हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद जहां अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से माफी मांगी है, वहीं गुरुवार शाम को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को मिलने के लिए बुलाया। इस मुलाकात के दौरान संगठन महासचिव के.सी वेणुगोपाल भी 10 जनपथ पर मौजूद रहे।

दरअसल राजस्थान में हुए घटनाक्रम के दिन तय हो गया था कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमा गलती कर गया है। हालांकि इसके बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बचाने के लिए प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और शांति धारीवाल बयान देते रहे, लेकिन जिस तरह से पूरा वाकया हुआ, उसकी रिपोर्ट प्रभारी महासचिव

- **माकन ने ना सिर्फ समानान्तर विधायक दल की बैठक की घटना के बारे में आलाकमान को पल-पल की जानकारी दी, बल्कि इससे पहले डेढ़ साल के दौरान घटे घटनाक्रमों से भी अवगत कराया।**
- **अब आलाकमान ने वेणुगोपाल की एडवाइज़री के मार्फत उन सब नेताओं को चेतावनी दी है कि, यदि सार्वजनिक बयानबाजी हुई, तो कार्यवाही के लिए भी तैयार रहें।**

अजय माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को दी। उसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सीधा हाथ तो नहीं बताया, लेकिन उनकी सहमति कहीं ना कहीं नजर जरूर आ रही थी, क्योंकि शांति धारीवाल राजस्थान के इतने बड़े नेता नहीं है, जिनके कहने से इतनी बड़ी संख्या में विधायक उनके निवास पर आ जाएं। यही कारण रहा कि माकन की रिपोर्ट पर दोनों मंत्रियों शांति धारीवाल और महेश जोशी के साथ ही समानांतर बैठक में सभी व्यवस्थाएं करने वाले आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इन नोटिसों के बाद कहा जा रहा था कि मामला 10 दिन के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, लेकिन आलाकमान विधायक दल की समानांतर बैठक बुलाए जाने को लेकर बिल्कुल भी सहज नहीं था और खुद को मिली चुनौती को लेकर उसने नाराजगी जता दी थी। आलाकमान के रुख का पता 26 सितंबर को सुबह उस समय चल गया था, जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रभारी महासचिव अजय माकन से मिलने होटल पहुंचे थे, लेकिन माकन गहलोत के वहां पहुंचने के बावजूद उनसे बिना मिले ही एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। उसी समय एहसास हो

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## एयरबैग

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। कारों में 6 एयरबैग के नियम की वजह से परेशान कई ऑटोमोबाइल कंपनियों को राहत मिल गई है।

दरअसल, 6 एयरबैग का नियम 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसके एक साल आगे बढ़ा दिया गया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पैसेंजर्स कारों में अनिवार्य 6 एयरबैग्स के अगले एक साल के लिए टाल दिया गया है। अब ये नियम 1

- **कारों में 6 एयरबैग अनिवार्य करने का प्रस्ताव फिलहाल टाला सरकार ने।**

अक्टूबर, 2023 से लागू किया जाएगा।

गडकरी ने ग्लोबल सप्लाई-चेन में आ रही बाधाओं के चलते 6 एयरबैग नियम को एक्सटेंड किया है। उन्होंने इस ट्वीट के साथ एक अन्य ट्वीट को जोड़ते हुए कहा, ''ऑटो इंडस्ट्री को ग्लोबल सप्लाई-चेन में आ रही बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।